फ्रांस के पश्चिमी तट पर आइलैण्ड ऑफ रेआ एक लोकप्रिय ग्रीष्म पर्यटन स्थल है। खूबसूरत समुद्र तटों के अलावा यहां का एक प्रमुख आकर्षण हैं गधे। ये गधे साधारण नहीं बल्कि पॉत्तू गधे हैं जिनका उद्गम फ्रांस का पॉत्तू क्षेत्र है। सबसे बड़े गधों की इस नस्ल के बड़े साइज़ के कारण द्वीप के नमक उद्योग में इनका इस्तेमाल होता था। बड़े शरीर के अलावा लम्बा झबरीला फर, जिसे कैडनेट कहते हैं, इनकी मुख्य पहचान है और लंबी रस्सियों की तरह इनके चारों तरफ लटकता नज़र आता है। बड़े आकार और ताकत की वजह से इन्हें सॉल्ट मॉर्शेज़ (नमक के दलदलों) में काम पर लगाया जाता था, जहां इन्हें मच्छर व कीड़े काटने की समस्या का सामना करना पड़ता था। इसलिए इनकी टाँगों को मच्छरों आदि से बचाने के लिये पजामा पहनाना शुरु किया गया। पजामों की वजह से ही इन्हें "डॉन्कीज़ इन पैंटीज़" नाम मिला। हालांकि, अब ये गधे नमक के दलदल में काम नहीं करते हैं पर इन्हें पजामा पहनाने की परम्परा अभी भी कायम है, शायद पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए। पॉत्तू गधों के अलावा पॉत्तू खच्चर भी कभी यूरोप में बेहद लोकप्रिय थे। इन्हें विश्व का बेहतरीन वर्किंग म्यूल (खच्चर) कहा जाता था। तब पॉत्तू क्षेत्र में बड़े पैमाने पर इनका प्रजनन होता था, पर दूसरे विश्वयुद्ध के आसपास मशीनीकरण बढ़ने से गधों व व खच्चरों की मांग घट गई और इनका बाजार भी ठप्प हो गया। साथ ही इनकी आबादी में भी नाटकीय कमी आई। वर्ष 1977 में तो मात्र 44 पॉत्तू गधे ही बचे थे। फिर, संरक्षण प्रयासों की बदौलत सन् 2005 में इनकी आबादी बढ़ कर 450 हो गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमित शाह से मिलीं मुर्मू

वे शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगीं, बी.जे.डी. के दो मंत्रियों ने मुर्मू के नामांकन पत्र पर प्रस्तावक के तौर पर हस्ताक्षर किये

नई दिल्ली, 23 जून (वार्ता)। नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी. ए.) की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुर्मू गुरुवार दोपहर राजधानी दिल्ली पहुंची थीं।

प्रधानमंत्री ने गुरूवार को एक ट्वीट संदेश में कहा , द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात हुई। उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाये जाने का समाज के सभी वर्गों ने स्वागत किया है। जमीनी समस्याओं के बारे में उनकी समझ और भारत के विकास के बारे में उनका दृष्टिकोण असाधारण है।

इससे पहले यहां पहुंचने पर मुर्मू का हवाई अड्डे पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने भव्य स्वागत किया।

वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रबंधन टीम के समन्वयक केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

- **दिल्ली पहुंचने पर श्रीमती मुर्मू का हवाई अड्डे पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी सहित पार्टी के कई नेताओं ने भव्य स्वागत किया।**

केन्द्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुण्डा, केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और भाजपा महासचिव तरुण चुघ के साथ राजधानी आयी थी।

सूत्रों के अनुसार मुर्मू शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद गुरूवार को यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

शाह ने एक ट्वीट संदेश में कहा, राजग के राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से भेंट कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। उनके नाम की घोषणा से ही जनजातीय समाज अत्यंत गौरव की अनुभूति कर रहा है। मुझे विश्वास है कि उनके प्रशासनिक व सार्वजनिक अनुभव का लाभ पूरे देश को मिलेगा।

इससे पहले यहां पहुंचने पर मुर्मू का हवाई अड्डे पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने भव्य स्वागत किया।

द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में बीजू जनता दल ने ओडिशा में अपनी सरकार के दो मंत्रियों को भेजा है जिन्होंने आज मुर्मू के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किये।

बीजद अध्यक्ष एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देश पर जगन्नाथ सरका और तुकुनी साहू भुवनेश्वर से दिल्ली पहुंचे और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं से मुलाकात की। केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और भूपेन्द्र यादव तथा भाजपा के महासचिव अरुण सिंह की मौजूदगी में उन्होंने मुर्मू के नामांकन पत्र पर बीजद की ओर से हस्ताक्षर किये। बीजद के दोनों नेता कल मुर्मू के नामांकन के वक्त भी मौजूद रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भुवनेश्वर में पटनायक को फोन लगा कर मुर्मू के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया। इस पर पटनायक ने उन्हें उनके मंत्रिमंडल के दो मंत्रियों सरका और साहू को नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत करने और नामांकन के वक्त उनके मौजूद रहने की जानकारी दी।

बाइकों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अभियान चल रहा है जिसमें अभी तक 35 बाइक जब्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि साइलैंसर मौडिफाई करवाना व्हीकल एक्ट का उल्लंघन है। ऐसे में 5 से 10 हजार की पेनाल्टी व जेल भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

अडानी 60 हजार करोड़ की सम्पत्ति दान करेंगे

अडानी ने कहा कि वे, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्किल डवलपमैंट जैसे क्षेत्रों में समाज और देश की सेवा करना चाहते हैं

नई दिल्ली/अहमदाबाद, 23 जून (वार्ता)। एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के शीर्ष उद्योगपति गौतम अडाणी शुक्रवार को अपने 60वें जन्मदिन और अपने पिता शांतिलाल अडाणी की 100वीं जयंती पर 60,000 करोड़ रुपये दान करेंगे। अडाणी समूह ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

अडाणी समूह की ओर से यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, शांतिलाल अडाणी की 100वीं जयंती और गौतम अडाणी के 60वें जन्मदिन पर, अडाणी परिवार ने कई सामाजिक कार्यों के लिये 60,000 करोड़ रुपये दान करने का फैसला किया है। भारत के जनसांख्यिकीय लाभों की क्षमता का उपयोग करने के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा

- **उद्योगपति अडानी ने अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर ऐसा करने का फैसला लिया।**
- **गौतम अडानी ने कहा कि, वे समाज व देश की सेवा का मौका पाकर बेहद खुश हैं, भारत के जनसांख्यिकीय लाभों की क्षमता का उपयोग करने के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।**

और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अडाणी समूह के चेयरमैन अडाणी ने कहा कि वह स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने में योगदान करने का अवसर पाकर खुश हैं।

अडाणी ने कहा, देशभर में स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ाने में योगदान करने का अवसर मिलने के लिये खुशी महसूस कर रहा हूं। मेरा 60वां जन्मदिन होने के अलावा यह वर्ष हमारे प्रेरक पिता शांतिलाल अडाणी की 100वीं जयंती का भी है। यह उस योगदान को और अधिक महत्व देता है जो हम एक परिवार के रूप में दे रहे हैं।

इस अवसर पर विप्रो लिमिटेड के संस्थापक अध्यक्ष अज़ीम प्रेमजी ने कहा, गौतम अडाणी और उनके परिवार की सामाजिक परोपकार के प्रति प्रतिबद्धता एक उदाहरण स्थापित करता है कि हम सभी महात्मा गांधी के ट्रस्टशिप के सिद्धांत को अपनी व्यावसायिक सफलता के शिखर पर जीने की कोशिश करते हैं।

कांग्रेस ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से 54 घंटे तक पूछताछ करता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडानी समूह को श्रीलंका में पवन ऊर्जा का ठेका दिलाने के लिए जब वहां के राष्ट्रपति पर दबाव डालते हैं तो ई.डी. इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लेता है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी ने अदानी समूह को श्रीलंका में ठेका दिलाने के लिए वहां के राष्ट्रपति पर दबाव डाला है और यह बात श्रीलंका की संसद के समक्ष वहां के बिजली बोर्ड के अध्यक्ष ने रखा है। बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में विंड पावर प्रोजेक्ट का ठेका अडानी ग्रुप को देने के लिए वहां के राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे पर दबाव डाला था।

अन्ततोगत्वा शिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के कह रहे है, जिसकी जरूरत उन्हे अन्ततोगत्वा पड़नी ही है। जब विधानसभा में शक्ति परीक्षण होगा, उस समय शिन्दे के खेमे की वास्तविक संख्या ज्ञात भी हो ही जायेगी। जैसा कि मराठी मीडिया का कहना है, शिन्दे का समर्थन कर रहे बहुत से विधायक ऐसा इसलिये कर रहे हैं ताकि वे उन केसों से बच सकें, जो केन्द्रीय जाँच एजेंसियों, जिनमें ई.डी. तथा आयकर विभाग भी शामिल है, ने उनके खिलाफ दर्ज कर दिये हैं। यह भी संभव है कि बगावत कर रहे कुछ विधायक फिर से ठाकरे ग्रुप के समर्थन में आ जायें तथा शिन्दे ग्रुप के सामने दलबदल-विरोधी कानून के प्रावधानों को पराजित योग्य संख्या में विधायक जुटाना मुश्किल हो जाये। सार तत्व की बात यह है कि एम.वी.ए. सरकार के गिरने की पूरी-पूरी सम्भावना है। लेकिन एक राजनीतिज्ञ के रूप में उद्धव ठाकरे के बारे में अन्तिम रूप से कुछ कह पाना अभी भविष्य के गर्भ में है।

अडानी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह चीज ई.डी. द्वारा जाँच किये जाने की जरूरत नहीं बताती ? क्या ई.डी. ने अडानी ग्रुप के किसी व्यक्ति को आज तक तलब किया या क्या ई.डी. इन गम्भीर आरोपों की जाँच की योजना बना रहा है?

वल्लभ ने पूछा कि ई.डी. जैसी एजेंसी की क्या विश्वसनीयतां रही, जो राजनैतिक शिकार करने पर तो लगा हुआ है, लेकिन गम्भीर आरोपों और अपराधों की जाँच करने के अपने कर्तव्य एवं दायित्व का पूरा करने में पूरी तरह विफल है।

पिछले 8 साल में, सभी क्षेत्रों से सम्बधित भाजपा सरकार के सारे दचचावों, चाहे वे कितने भी लम्बे चौड़े तथा झूठे हों, के चलते, मोदी सरकार बारबार सस्ती चालबाजियों का सहारा ले रही है, जैसे राहुल गांधी से पिछले पाँच दिन तक पूछताछ किया जाना, ताकि एक राजनैतिक करतबों के जरिये, उनकी प्रतिष्ठा खराब की जा सके।

प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने ई.डी. पर आरोप लगाया कि उसे ऐसी राजनैतिक करतूतों को अंजाम देने के लिये, केन्द्र सरकार से "बाध्यकारी निर्देश" मिलते रहते है।

ताइवान ने चीन के आक्रमण के समय भारत से मदद का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 23 जून(वार्ता)। ताइवान के शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत हिंद-प्रशांत में अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में शामिल होकर ताइवान का समर्थन कर सकता है। उन्होंने आगाह किया कि चीन उनके देश पर आक्रमण कर सकता है।

यहां दिए एक साक्षात्कार में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र के उप प्रतिनिधि मुमिन चेन ने कहा, रूस की सीमा यूक्रेन के साथ मिलती है और दोनों की संस्कृतियां भी काफी हद तक समान है लेकिन रूस पहले यूक्रेन को डराता रहा और अंततः उसने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया। ताइवान और चीन के मामले में स्थिति इसी प्रकार की ही है। उन्होंने कहा, चीन ताइवान के खिलाफ मनोविज्ञान और सेना का इस्तेमाल डराने-धमकाने के लिए कर रहा है। उसने ताइवान के आस-पास कई सैन्य अभ्यास किए हैं। प्रत्येक महीने चीन ताइवान के आस-पास सैन्य अभ्यास करता है।

रेप के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधार पर माना कि रेप हुआ है और आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई, जबकि कोर्ट में रेपिस्ट को पहचाने से मना करने पर परिवादी पक्ष के खिलाफ भी कार्यवाही करने के आदेश दिए गए हैं। पॉक्सो कोर्ट क्रमांक एक के जज अनूप पाठक ने यह आदेश दिया। नाबालिग के पिता ने मामला दर्ज कराया था कि 23 साल के ट्रक ड्राइवर अरशद पुत्र रुद्धार ने उसकी बेटी से रेप किया। वह टॉयलेट करने गई तो उसे बाजरे के खेत में ले गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कोर्ट में केस आया। कोर्ट में नाबालिग ने रेपिस्ट को पहचानने से मना कर दिया। लेकिन कोर्ट ने मौजूदा रिपोर्ट के आधार पर रेप माना। आरोपी को 10 साल की सजा सुना दी। वहीं अपनी बेटी से रेप होने का मुकदमा दर्ज कराने और फिर मुकरने वाले पिता के खिलाफ भी कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

एडवोकेट भूप सिंह पोसवाल ने बताया कि एस.सी.-एस.टी.एक्ट और रेप का मामला दर्ज हुआ था। लेकिन बाद में पीडिता ने रेपिस्ट को पहचानने से मना कर दिया। इस पर अब रिपोर्ट दर्ज कराने वाले पिता के खिलाफ धारा 344 के तहत कार्यवाही होगी।

इतिहास में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तावक बनाने की जानकारी दी गई। इसके उपरान्त भी विधायक पूर्व कार्यक्रमों को रद्द कर दिल्ली जाने को तैयार हो गऐ। इनमें पिण्डवाड़ा विधायक संभाराम गरासिया की पुत्री की शादी बुधवार को ही हुई है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी शामिल हुई थी। सलूम्बर विधायक अमृतलाल मीणा के परिवार में भी शादी है। इधर जानकारी मिली है कि उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा ने राष्ट्रपति चुनाव से संबधित प्रक्रिया में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में प्रस्ताव रखा है।

शिवसेना सांसद संजय राउत का 'सरेंडर'

मुंबई, 23 जून। बगावत करने वाले एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को 42 विधायकों के साथ एक वीडियो जारी कर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार पर दबाव और भी बढ़ा दिया है। इस बीच, शिवसेना सांसद संजय राउत भी बागी विधायकों के तेवर के आगे नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

आपकों बता दें कि, एकनाथ शिंदे के साथ कुल 37 शिवसेना विधायक जुड़ चुके हैं साथ ही कहा जा रहा है कि, 7 अन्य निर्दलीय विधायकों का भी उनको समर्थन है।

शिवसेना के बागी विधायकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

यह याचिका मध्यप्रदेश की कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने दायर की है

नई दिल्ली, 23 जून (वार्ता)। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच उच्चतम न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि दलबदल करने वाले विधायकों को पांच साल तक के लिए चुनाव लड़ने से रोकने के निर्देश दिए जाएं। यह याचिका मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष जया ठाकुर की तरफ से दाखिल की गई है। यह साल 2021 में दायर उनकी लंबित याचिका के संदर्भ में है, जिसमें शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी कर केंद्र से जवाब मांगा था। याचिका में अयोग्य घोषित होने या

- **याचिका में दलबदल कानून के तहत बागी विधायकों को चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराने की याचिका दाखिल की गई है**

इस्तीफा देने वाले विधायकों के चुनाव लड़ने पर अगले पांच साल तक रोक लगाए जाने पर अंतरिम निर्देश की मांग की गई है। अपनी इस याचिका में ठाकुर ने कहा है कि सरकार को गिराने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा देश भर में एक हालिया प्रवृत्ति विकसित की गई है, जिसके तहत भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों को निरर्थक बनाने के लिए सत्तारूढङ दल के विधायक सदन से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, फिर इस्तीफा देने वाले विधायकों को नई सरकार द्वारा मंत्री पद दिया जाता है और उन्हें उपचुनाव के लिए फिर से लड़ने के लिए टिकट भी दिया जाता है। ठाकुर की याचिका में कहा गया है, राजनीतिक दल इस स्थिति का लाभ उठा रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिरा रहे हैं, महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हो रहा है। ये राजनीतिक दल फिर से हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि लोकतंत्र में सुशासन के लिए सरकार की स्थिरता पर जोर दिया गया है।

सिंघवी ,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्माता सुब्बारामी रेड्डी (78) को सी.डब्ल्यू.सी. का स्थाई आमन्त्रित सदस्य तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू (42) को विशेष आमन्त्रित सदस्य बना दिया है।

अमेरिका में हैलिकॉप्टर क्रैश

वाशिंगटन, 23 जून (वार्ता)। अमेरिका के पश्चिम वर्जीनिया प्रांत में एक राजमार्ग पर वियतनाम युद्ध के दौरान इस्तेमाल किए गए एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने लोगान काउंटी ऑफिस ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेंट की उप निदेशक सोन्या पोर्टर के हवाले से

- **इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई।**

बताया कि हेलीकॉप्टर बुधवार शाम प्रांत के दक्षिणी हिस्से में पहाड़ी क्षेत्र में स्थित ब्लेयर माउंटेन के पास नीचे आ जाने से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस पर्वत को केली होल्लो के नाम से भी जाना जाता है।

हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण का पता नहीं चला है।

दवा मर्ज से ज्यादा खतरनाक साबित हो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ोतरी की जाती है, जैसे कि हाल ही में की गयी है। इनमें से कुछ वृद्धियां अमेरिका के फैडरल बैंक द्वारा की गयी 75 बेसिस पाइन्ट्स की अधिक वृद्धि जैसी रही है। ये हालांकि अपरिहार्य रुप से कम हैं किन्तु इनकी प्रतिक्रियां आनी शुरु हो जाएंगी।

अमेरिका के फैडरल बैंक द्वारा ब्याज दरों में दी गई वृद्धि के साथ ही शेयर बाजार गिर गया है। जब भी ब्याज दरें बढ़ती हैं, शेयर्स और बॉण्ड्स के बीच के अंर्तलाभ साम्य में परिवर्तन हो जाने के कारण शेयर भाव गिर जाते हैं। बॉण्ड्स का मुनाफा बढ़ता है और बॉण्ड्स की कीमतों में गिरावट के साथ ही निवेशकों का जोखिम बदल जाता है और वे शेयर बाजार जैसी किसी चीज पर शिफ्ट हो जाते हैं।

वित्तीय बाजारों के ये परिवर्तन फिर वास्तविक अर्थव्यवस्था को हस्तांतरित हो जाते हैं। वास्तविक अर्थव्यवस्था बदलते वित्तीय बाजार को समायोजित करना शुरु कर देती है जिसका विपरीत असर व्यापारिक फर्मों पर जाता है। निवेश के प्रति उनकी योजनाएं अथवा उनका मूल्य निर्धारण कम हो जाता है और परिणाम स्वरुप एक समायोजन प्रक्रिया अपना स्थान बना लेती है।

ये समायोजन बड़ी संख्या में बेरोजगारी को जन्म देते हैं जो एक पूर्ण आर्थिक मंदी की पूर्व स्थिति है। अब प्रश्न ये है कि क्या वर्तमान में की गयी ब्याज दर वृद्धि और वित्तीय अर्थव्यवस्था बड़ी संख्या में बेरोजगारी पैदा करेगी। अतः केन्द्रीय बैंकों के थोड़े बहुत हस्तक्षेप की तुलना में वर्तमान मंहगाई कुछ हद तक अधिक हैं, इसलिए आर्थिक मंदी की आशंकाएं बढ़ जाती है। ब्याज दरों में वृद्धि जितनी अधिक होगी आर्थिक मंदी का भय भी उतना ही होगा।

यह ऐसा है जैसे की बीमारी की तुलना में उसका उपचार कम होना। लेकिन यदि ऐसा हो तो कीमतों में हो रही वर्तमान बढ़ोत्तरी के जारी रहने की आशंका है।

कुल मिलाकर पूरी दुनिया में व्यापक मंहगाई का त्वरित कारक एक ही है, यूक्रेन युद्ध ।

तीन महीनों से चल रहे युद्ध और वैमनस्यता के एक वैश्विक आर्थिक युद्ध का स्वरुप लेने के साथ ही लघु अवधि में कीमतों को स्थिर होते नहीं देखा जा सकता। दो चीजों का आधारभूत मूल्य प्रभावित हो रहे हैं-खाद्य पदार्थ और ईंधन। पर खाद्य पदार्थों और ईंधन की वैश्विक महंगाई है।

यदि अमेरिका पैट्रोल स्टेशन्स पर गैस के अधिक दाम दिए जाने को लेकर चिंतित है तो दुनिया का एक बड़ा हिस्सा मध्यवर्गीय और गरीब अपने परिवार के खाने का बिल चुकाने की जुगाड़ में लगे हैं। कुछ गरीब और छोटे देश एक तरह से टूट गए हैं।

निःसंदेह उनकी अर्थव्यवस्थाओं का पूर्णतया कुप्रबंधन किया गया है, भारत के दो दक्षिण एशियाई पड़ोसी दम तोड़ रहे हैं। श्रीलंका में आर्थिक मंदी या मंहगाई का प्रश्न नहीं है, वहां वे अधिकांश लोगों के लिए प्रश्न यह है कि अगली बार खाना कहां से मिलेगा अथवा परिवहन के साधन के अभाव में कोई गंभीर रोगी अस्पताल कैसे पहुंचेगा। पाकिस्तान में सरकार अपने नागरिकों से कह रही है कि वे अपने पसंदीदा पेय चाय को कम पीएं क्योंकि पाकिस्तान के केन्द्रीय बैंक के पास इतना विदेशी धन नहीं है कि वह विदेश से सूखी चाय खरीद सके।

सौभाग्य से भारत में हम इतनी गंभीर आर्थिक उथल पुथल में नहीं है। हालांकि, हम खाद्य पदार्थों और ईंधन, दोनों की मंहगाई का सामना कर रहे हैं और आर.बी.आई ब्याज दरों में वृद्धि कर रहा है, लेकिन फिर भी अर्थव्यवस्था में कमी करने वाली शक्तियां आर्थिक विकास नहीं रोक रही है। भारत के वर्तमान में 7 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि की संभावना है और यह स्थिति किसी भी रुप में आर्थिक मंदी की नहीं है। तथापि भारत एक अपवाद है और कई विशेषज्ञ यह स्वीकार कर रहे हैं कि अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण कुछ आंतरिक है, फिर भी देश अर्थव्यवस्था की वैश्विक तेजी के भरोसे नहीं है।

लेकिन फिर भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में उम्मीद की किरण ये है कि ये फिर स्थिति कुल मिलाकर आर्थिक मंदी की नहीं है। द इकोनॉमिस्ट तर्क देता है कि आर्थिक मंदी में दम तोड़ने के बजाए वैश्विक अर्थव्यवस्था फिर भी, धीमी गति से ही सही, किन्तु चल रही है।

किसी आर्थिक मंदी के निर्धारण के लिए आय में लगातार दो वर्ष तक कमी होनी चाहिए, लेकिन खुशी की बात यह है कि ऐसा नहीं है।

लेकिन क्या उम्मीद करें और क्या हो सकता है, इसके लिए हम अगली खबर का इंतजार करेंगे।

fssai
भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण
प्रेरक विश्वास निश्चित सुरक्षा व पौष्टिक आहार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

कृपया ध्यान दें!!!

खाद्य व्यवसायियों निर्माताओं (रिपैकर्स व रिलेबलर्स) एवं आयातकों अपना वार्षिक रिटर्न वित्त वर्ष 2021-22 हेतु प्रस्तुत करें

30 जून, 2022 तक

(नहीं प्रस्तुत करने पर 100 रू. प्रतिदिन अर्थदण्ड लगेगा।)

- वार्षिक रिटर्न केवल ऑनलाईन (फूड सेफ्टी कम्पलीयांश सिस्टम) (एफओएससीओएस) के द्वारा प्रस्तुत किये गये) पर विचार किया जायेगा।
- किसी अन्य माध्यम से प्रस्तुत किये गये वार्षिक रिटर्न पर विचार नहीं किया जायेगा एवं उसे नहीं प्रस्तुत किया गया माना जावेगा।
- दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के विनिर्माताओं/संसाधकों को केवल वार्षिक रिटर्न जमा करना आवश्यक है, अर्धवार्षिक रिटर्न बंद कर दिया गया है।

आज ही ई-फाईल वार्षिक रिटर्न एफओएससीओएस पोर्टल www.foscos.fssai.gov.in पर करें।

अपना वार्षिक रिटर्न ई-फाईल करने हेतु यहां स्कैन करें

कार्यकारी निदेशक (सीएस)
एफएसएसएआई

DAVP 17163/12/0011/2223

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908